कुछ प्रचलित मुहावरे, अर्थ तथा प्रयोग

1. अंगूठा दिखाना (साफ़ इंकार कर देना)– सुरेश से कोई वस्तु माँगो, वह झट अंगूठा दिखा देता है।
2. अंधे की लकड़ी (एकमात्र सहारा)– श्रवण कुमार अपने माता-पिता की अंधे की लकड़ी था।
3. अक्ल पर पत्थर पड़ना (बुद्धि नष्ट होना)– जिस शाखा पर बैठे हो, उसे ही काट रहे हो। तुम्हारी अक्ल पर पत्थर तो नहीं पड़ गया।
4. अगर-मगर करना (टालमटोल करना)–चोरी के बारे में पूछने पर वह अगर-मगर करने लगा।

Scanned by TapScanner

5. अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना (अपनी हानि स्वयं करना)– जो बच्चे परीक्षा के दिनों में भी सोते रहते हैं, वे अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारते हैं।

6. आँखें खुलना (सावधान होना)– तुम्हारी दुष्टता के बारे में मुझे अब पता चला है। अब मेरी आँखें खुल गई हैं।

7. आँखें दिखाना (क्रोध से देखना)– मनीष के शरारतें करते रहने पर उसके पिता जी ने आँखें दिखाई।

8. आँखें बिछाना (बहुत स्वागत करना)– विदुर जी ने श्रीकृष्ण के लिए आँखें बिछा दीं।

9. आँखों पर परदा पड़ना (भले-बुरे का ज्ञान न होना)– कैकेयी की आँखों पर परदा पड़ा हुआ था, जो उसने श्रीराम को वनवास भेजने की जिद्द की।

10. आँच न आने देना (कुछ भी हानि न होने देना)– श्रीकृष्ण ने अर्जुन पर कुछ भी आँच न आने दिया।

11. आँसू पीना (दुःख सहना)– बेचारी राधा आँसू पीकर रह गई।

12. आकाश-पाताल एक करना (बहुत अधिक परिश्रम करना)– परीक्षा की तैयारी के लिए उसने आकाश-पाताल एक कर दिया।

13. आकाश-पाताल का अंतर (बहुत अधिक भेद)– राम और रावण के स्वभाव में आकाश-पाताल का अंतर था।

14. आकाश से बातें करना (बहुत ऊँचा होना)– मुंबई की इमारतें आकाश से बातें करती हैं।

15. आगे-पीछे घूमना (चापलूसी करना)– सोहन हमारे क्षेत्र के विधायक के आगे-पीछे घूमता है।

16. ईंट से ईंट बजाना (नष्ट कर देना)– वानर सेना ने लंका की ईंट से ईंट बजा दी।

17. ईद का चाँद होना (बहुत दिनों के बाद दिखाई देना)– अमित! तुम तो आजकल दिखाई ही नहीं देते। लगता है ईद का चाँद हो गए हो।

18. उंगली पर नचाना (किसी को अपनी इच्छानुसार चलाना)– संतोष कल ही इस घर में आई है, किंतु नौकर को उंगली पर नचाती है।

19. उगल देना (सब भेद कह देना)– पुलिस का डंडा देखकर चोर ने सारी बातें उगल दी।

20. कमर टूटना (हिम्मत न रहना)– भीष्म पितामह के गिर पड़ने से कौरव सेना की कमर टूट गई।

Scanned by TapScanner